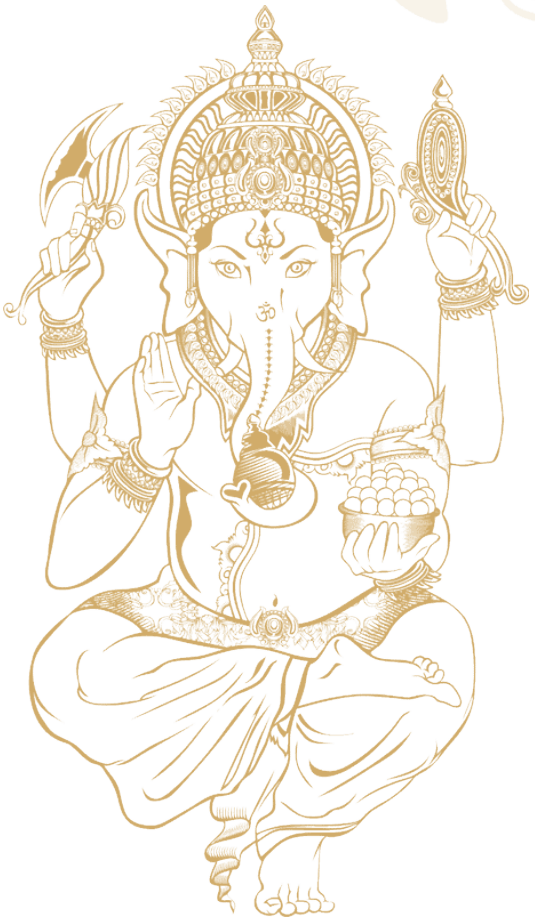

Mr.Aadarsh kumar Mandal

05 Oct 2005

08:54 AM

Katihar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120735603

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/10/2005**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**08:54:00 घंटे**
इष्ट	08:20:41 घटी
स्थान	**Katihar**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:33:00 उत्तर
रेखांश	87:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:14:16 घंटे
वेलान्तर	00:11:32 घंटे
साम्पातिक काल	10:09:54 घंटे
सूर्योदय	05:33:43 घंटे
सूर्यास्त	17:22:18 घंटे
दिनमान	11:48:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	18:03:23 कन्या
लग्न के अंश	01:21:32 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वैधृति
करण	कौलव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रु-रुपेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	01:21:32	311:52:19	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			कन्या	18:03:23	00:59:09	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	सम राशि
चंद्र			तुला	07:50:33	12:45:57	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
मंगल	व		मेष	29:21:29	00:02:54	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	स्वराशि
बुध		अ	तुला	00:28:46	01:35:05	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मित्र राशि
गुरु			तुला	01:31:03	00:12:51	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	02:49:52	01:07:06	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	सम राशि
शनि			कर्क	15:18:44	00:04:51	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
राहु			मीन	19:41:17	00:00:07	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
केतु			कन्या	19:41:17	00:00:07	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	13:35:43	00:01:50	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप	व		मक	21:00:38	00:00:42	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	28:10:28	00:01:02	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			सिंह	06:28:02	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:10

लग्न-चलित

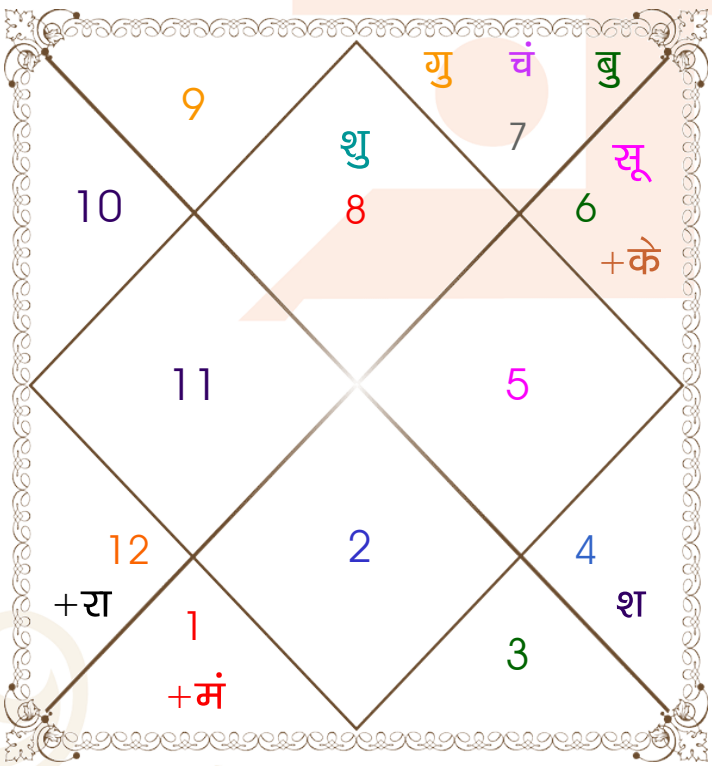

चन्द्र कुंडली

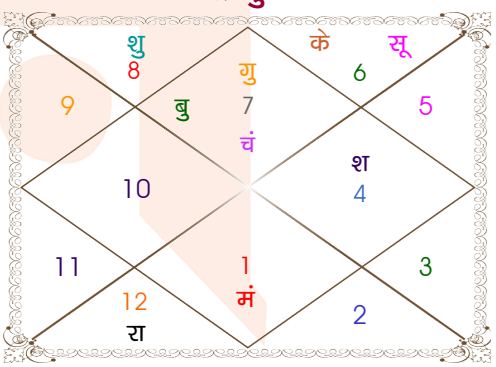

नवमांश कुंडली

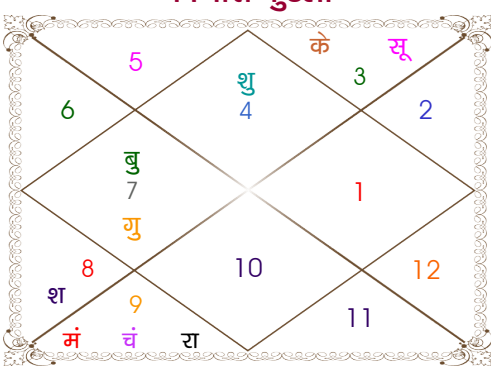

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 16 वर्ष 4 मास 28 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
05/10/2005		05/03/2022		05/03/2038		04/03/2057		05/03/2074	
05/03/2022		05/03/2038		04/03/2057		05/03/2074		04/03/2081	
राहु	15/11/2006	गुरु	22/04/2024	शनि	07/03/2041	बुध	01/08/2059	केतु	01/08/2074
गुरु	10/04/2009	शनि	03/11/2026	बुध	16/11/2043	केतु	28/07/2060	शुक्र	01/10/2075
शनि	15/02/2012	बुध	08/02/2029	केतु	24/12/2044	शुक्र	29/05/2063	सूर्य	06/02/2076
बुध	03/09/2014	केतु	15/01/2030	शुक्र	24/02/2048	सूर्य	04/04/2064	चंद्र	06/09/2076
केतु	22/09/2015	शुक्र	15/09/2032	सूर्य	05/02/2049	चंद्र	03/09/2065	मंगल	02/02/2077
शुक्र	21/09/2018	सूर्य	04/07/2033	चंद्र	06/09/2050	मंगल	31/08/2066	राहु	20/02/2078
सूर्य	16/08/2019	चंद्र	03/11/2034	मंगल	16/10/2051	राहु	20/03/2069	गुरु	27/01/2079
चंद्र	14/02/2021	मंगल	10/10/2035	राहु	22/08/2054	गुरु	25/06/2071	शनि	07/03/2080
मंगल	05/03/2022	राहु	05/03/2038	गुरु	04/03/2057	शनि	05/03/2074	बुध	04/03/2081

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
04/03/2081		05/03/2101		06/03/2107		05/03/2117		05/03/2124	
05/03/2101		06/03/2107		05/03/2117		05/03/2124		00/00/0000	
शुक्र	04/07/2084	सूर्य	23/06/2101	चंद्र	04/01/2108	मंगल	01/08/2117	राहु	06/10/2125
सूर्य	04/07/2085	चंद्र	23/12/2101	मंगल	04/08/2108	राहु	20/08/2118		00/00/0000
चंद्र	05/03/2087	मंगल	29/04/2102	राहु	03/02/2110	गुरु	27/07/2119		00/00/0000
मंगल	04/05/2088	राहु	24/03/2103	गुरु	05/06/2111	शनि	04/09/2120		00/00/0000
राहु	05/05/2091	गुरु	10/01/2104	शनि	03/01/2113	बुध	01/09/2121		00/00/0000
गुरु	03/01/2094	शनि	22/12/2104	बुध	05/06/2114	केतु	28/01/2122		00/00/0000
शनि	04/03/2097	बुध	29/10/2105	केतु	04/01/2115	शुक्र	30/03/2123		00/00/0000
बुध	03/01/2100	केतु	06/03/2106	शुक्र	04/09/2116	सूर्य	05/08/2123		00/00/0000
केतु	05/03/2101	शुक्र	06/03/2107	सूर्य	05/03/2117	चंद्र	05/03/2124		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 16 वर्ष 4 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।